an>

title: Need to provide adequate compensation to farmers in Maharashtra arising out of damage to their crops due to unseasonal rains.

श्री राजीव सातव (हिंगोली) : महाराष्ट्र में इस साल भयंकर सूखे की स्थिति थी। 500 से ज्यादा किसानों ने सूखे के कारण आत्महत्या की। राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार से सहायता माँगी, लेकिन केन्द्र सरकार की तरफ से कोई सहायता नहीं मिली। इस वजह से महाराष्ट्र का किसान बड़ी दिक्कत में था।

फरवरी के आखिरी हफ्ते और मार्च के पहले हफ्ते में पूरे महाराष्ट्र में अचानक बारिश हुई और इस अचानक बारिश की वजह से रबी की फसलों को बड़ा नुकसान हुआ। अनेक जगहों पर ओले भी गिरे, जिससे गेहूँ, चना, कपास, ज्वार, मक्का आदि फसलों को नुकसान हुआ। हॉर्टीकल्चर के बागों का भी बड़ा नुकसान हुआ। इससे आम, अनार, अंगूर इनके बगीचे खत्म हो गए। उपरोक्त फसलों के चौपट होने से किसान बेहाल हो गया है। उनके लिए अचानक हुई यह बारिश आफत बन गई है। महाराष्ट्र के हिंगोली, नांदेड़, यवतमाल , मराठवाड़ा, विदर्भ आदि क्षेत्रों में फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। संतरे को भी क्षति पहुँचने की जानकारी है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि इस बेमौसम बारिश से प्रभावित होने वाले महाराष्ट्र के किसानों के लिए प्रति हेक्टेयर 50 हजार रूपये मुआवजे का एलान किया जाए और किसानों को बिना ब्याज का ऋण उपलब्ध कराया जाए।